

असलोणी (wie eben) f. dass. TRIK. 3, 3, 108.

असवती (von अस) f. = तुद्रासिका RĀGĀN. im ÇKDr.

असवर्ग s. u. अस 1.

असवल्ली (अ + व) f. N. einer Pflanze, *Pythonium bulbiferum* Schott, (त्रिपर्णीका नाम कन्दविशेषः) RĀGĀN. im ÇKDr.

असवाटिका (अ + व) f. eine Art Betel (नागवल्लभिद्) RĀGĀN. im ÇKDr.

असवात्क (अ + वा) n. *Sauerampfer* (चुक्र) RĀGĀN. im ÇKDr. (Wils.: वासुक).

असवीत्र (अ + वी) n. (Wils.: m.) = वृत्तास n. RĀGĀN. im ÇKDr.

असवृत्त (अ + वृ) n. dass. RĀGĀN. im ÇKDr.

असवेतस (अ + वे) m. ein *Sauerampfer*, *Rumex vesicarius*, AK. 2, 4, 5, 6. H. 417. AINSIE, Mat. ind. 4, 398. SUGR. 2, 43, 3. 433, 7. 13. 439, 10.

असशाक (अ + शा) 1) m. eine Art *Sauerampfer* (शाकास, शुकास, असचुक्रिका, असचू u. s. w.) RĀGĀN. im ÇKDr. — 2) n. a) = वृत्तास n. — b) = चुक्र ebend.

अससार (अ + सा) 1) m. a) = असवेतस. — b) *Citronenbaum*. — c) *Phoenix paludosa* Roxb. (eine Pflanze), कित्ताल. — 2) n. gegorener Reis (काञ्जिका) RĀGĀN. im ÇKDr.

असक्रिद्रा (अ + कृ) f. = असनिशा RĀGĀN. im ÇKDr.

असक्रुश (अ + क्रुश) m. = असवेतस RĀGĀN. im ÇKDr.

अस्रातक m. = अस्रान m. RĀGĀN. im ÇKDr.

अस्रान (3. अ + स्रान von स्रा) 1) adj. nicht welk: पङ्कजां मालाम् DEV. 2, 28. 3, 51. auf das Gesicht übertragen: hell, klar: परार्थन्यायवदेषु काणा उप्यस्रानदर्शनः VID. 63. Daher wohl = निर्मल, अमल H. an. 3, 352. MED. n. 32. — 2) m. *Gomphraena globosa* L., *Kugelamaranth*, dessen Blütenköpfchen nicht welken, AK. 2, 4, 2, 54. TRIK. 2, 4, 25. H. an. MED. Vgl. अग्रस्रान.

अस्रानिनी (von अस्रान) f. eine Gruppe von *Kugelamaranthen* TRIK. 1, 2, 36.

अस्रिका (von अस्र) f. 1) saures Aufstossen H. an. 3, 7. MED. k. 43. — 2) *Tamarindus indica*, deren saures Fruchtfleisch genossen und medicinisch gebraucht wird, AK. 2, 4, 2, 24. H. 1143. H. an. MED. AINSIE, Mat. ind. 4, 426. Vgl. तित्तिडो. Nach RĀGĀN. im ÇKDr. ausserdem: = पलाशीलता, श्रेतास्रिका und तुद्रास्रिका.

अस्रिकावटक (अ + व) m. eine Hülsenfrucht mit Tamarindenbrühe (अस्रिका स्वेदयित्वा जलेन सह मर्दयित्वा तत्संस्कृतजले मग्नवटकः) BHĀVA-PRAKĀṢA im ÇKDr.

अस्रिका f. 1) = अस्रिका 1. SUGR. 1, 136, 5. 258, 17. — 2) = अस्रिका 2. AK. 2, 4, 2, 24, Sch.

अस्रोटक (aus अस्र + वटक) m. N. einer Pflanze (अश्मत्तकवृत्) RATNAM. im ÇKDr.

अस्रोद्गार (अ + उद्गार) m. saures Aufstossen H. an. 3, 7. MED. k. 43.

अय्. अयेते gehen, eine aus इ hervorgegangene Form, die unter dieser Wurzel besprochen wird.

अय (von इ) m. 1) Gang: अयस्तमय Untergang, s. अनुद्धताभ्यस्तमय. — 2) gutes Geschick AK. 1, 1, 4, 5. H. 1379. अयान्वित vom guten Geschick begleitet RAH. 4, 26. — 3) Würfel: ययैः परिनृत्यत्पादना कृतं

अयन

ग्लकात् AV. 4, 38, 3. VS. 30, 8. (कालः) सर्वानयानभिभवति ÇAT. BR. 5, 4, 4, 6. 13, 3, 1. यथा कृताय विजितायाधरेयाः (d. i. अधरे ऽयाः, man streiche demnach oben अधरेय) संयति KHĀND. UP. 4, 1, 1.

अयमै (3. अ + य) 1) adj. a) nicht krank, gesund VS. 1, 1. यथा नः सर्वमिच्छागदयमै सुमना असेत् 16, 4. AV. 5, 29, 13. 6, 59, 2. 12, 1, 62. — b) gesund, d. i. Gesundheit erhaltend, verschaffend VS. 16, 11. (आदः) अयमा यद्वमार्शनीः AV. 3, 12, 9. — 2) n. Gesundheit: अयो देवीरूपं सृज मधुमतीरयदमार्यं प्रजाभ्यः VS. 11, 38. 53. 18, 6.

अयमकराण (अ + क) adj. f. ई gesund machend: अयः AV. 19, 2, 5.

अयमैताति (von अयम) f. Gesundheit AV. 4, 25, 5.

अयमलै (wie eben) n. dass. ÇAT. BR. 6, 4, 3, 2.

अयनुष्क (von 3. अ + यनुस्) adj. ohne Opferspruch: यदयनुष्केन क्रियते ÇAT. BR. 13, 1, 2, 1.

अयस (3. अ + य) m. Nichtopfer, kein ordentliches Opfer ÇAT. BR. 11, 1, 2, 9. 14, 7, 1, 22. अयसे wenn nicht mehr geopfert wird, wenn das Opfer vorbei ist M. 3, 120.

अयसै (wie eben) adj. opferlos, nicht opfernd: पणोरिअद्धा अयसै अयज्ञान् RV. 7, 6, 3. 10, 138, 6.

अयज्ञसाच (3. अ + यज्ञ-साच) adj. kein Opfer treibend RV. 6, 67, 9.

अयज्ञियै (3. अ + य) oder अयज्ञिय (ÇAT. BR. 4, 5, 2, 10.) adj. 1) nicht zum Opfer taugend (act. oder pass.): पशवः ÇAT. BR. 7, 5, 2, 37. गर्गः 4, 5, 2, 10. वास्तु वै शरीरमयज्ञियं निर्वीर्यम् 2, 1, 2, 9. 3, 2, 2, 20. 5, 3, 2, 2. 7, 4, 1, 30. — 2) unwürdig, unheilig: अयज्ञियाद्यज्ञियं भागमेमि RV. 10, 124, 3. अयज्ञियो कृतवर्चा भवति AV. 12, 2, 37.

अयज्ञ्यु (3. अ + य) adj. nicht gottesfürchtig, unförmig, gottlos: शास्-स्तमिन्मृत् मर्त्यमयज्ञ्युम् RV. 1, 131, 4. यस्वेदयज्ञ्यार्वि भजाति भोजनम् 2, 26, 1. 1, 121, 13. 7, 6, 3. 83, 7.

अयज्वन् (3. अ + य) adj. nicht opfernd, unförmig: अयन्मासा अयज्व-नामवीराः RV. 7, 61, 4. देवानां य इमनो यजमान् इयंत्यभीदयज्वनो भुवत् 8, 31, 15. 1, 33, 4. 5. 8, 59, 11. 10, 49, 1. AV. 3, 24, 2. 11, 2, 23. M. 11, 14, 20. IND. 2, 5.

अयत्न (3. अ + य) m. Nichtanstrengung: अयत्नेन, अयत्नात् oder अय-त्नत् ohne Anstrengung, ohne Mühe: तद्वाम्रोत्तयत्नेन M. 5, 47. HIT. 38, 18. अयत्नादागते राज्यम् R. 2, 83, 12. निधिं लब्धमयत्नतः KATHĀS. 19, 38. अयत्न H. 509.

अय्यै (von इ) n. Bein, Fuss: गोधा तस्मा अय्यै कर्षदेतत् RV. 10, 28, 10.

अयथातथम् (3. अ + य) adv. nicht so wie es sein sollte: तद्वक्तृपय-यातथम् M. 3, 240.

अयथायथ (von 3. अ + यथा-यथा) adj. nicht wie es sein sollte, unangemessen, unschicklich: तदयथायथं मन्यते यत्कानिष्ठं कृन्दः सद्वायत्री प्र-यमा कृन्दो ययते ÇAT. BR. 1, 8, 2, 10. 3, 9, 2, 7. 6, 8, 2, 8. 7, 2, 1, 18. 5, 2, 38. 8, 6, 2, 13.

अयन (von इ) 1) adj. gehend NIR. 2, 7. 9, 3. 10, 41. am Ende eines compositum: यथेमा नद्यः स्पन्दमानाः समुद्रायणाः (zum Meere hinströmend) — इमाः षोडश कलाः पुरुषायणाः (zum Geiste hinströbend) PRAÇOP. 6, 5. Das patronymische suff. अयन gehört ursprünglich wohl auch hierher. — 2) n. a) das Gehen, Gang, Weg AK. 2, 1, 13. H. 983. an. 3, 352. MED. n. 28. नान्यः पन्था विद्यते ऽयनाय VS. 31, 18 (= ÇVETĀṢV. UP. 3, 8. 6, 15).